उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

विशिष्टाचार्यः (एम.फिल्.), व्याकरणपाठ्यक्रमः

प्रथमसत्रम्

(क)	शब्दकौस्तुभः (पश्पशाह्निकस्य व्याकरणप्रयोजननिरूपणान्तभागः)	क्रेडिट – 1	–	25 अंकाः
(ख)	शब्दकौस्तुभः (पश्पशाह्निकस्य तदतिरिक्तभागः)	क्रेडिट – 1	–	25 अंकाः
(ग)	परिभाषेन्दुशेखरस्य परिभाषात्रयम् (भूतिसहितम्)	क्रेडिट – 1	–	25 अंकाः
	(i) येन नाप्राप्तिपरिभाषा			
	(ii) यदागमपरिभाषा			
	(iii) निर्दिश्यमानपरिभाषा			
(घ)	परिभाषेन्दुशेखरः (परिभाषात्रयम्–भूतिसहितम्)	क्रेडिट – 1	–	25 अंकाः
	(i) उपपदविभक्तेः कारकविभक्तिर्बलीयसी			
	(ii) सन्निपातपरिभाषा			
	(iii) अर्थवद्ग्रहणपरिभाषा			

द्वितीयसत्रम्

(क)	वैयाकरणभूषणसारः (धात्वर्थप्रकरणे आदितः पंचमकारिकापर्यन्तः)	क्रेडिट– 1	–	25 अंकाः
(ख)	वाक्यपदीयस्य वाक्यकाण्डम् (सभेदं वाक्यस्वरूपम्,वाक्यार्थस्वरूपं च)	क्रेडिट– 1	–	25 अंकाः
(ग)	उणादिप्रकरणम् (वै.सि.कौ.)	क्रेडिट– 1	–	25 अंकाः
(घ)	स्वशास्त्रीयेतिहासः (परिगणिताचार्याणामैतिह्यपरिज्ञानम्)	क्रेडिट– 1	–	25 अंकाः

(1) पाणिनिः
(2) कात्यायनः
(3) पतञ्जलिः
(4) भर्तृहरिः
(5) कैयटः
(6) भट्टोजिदीक्षितः
(7) जयादित्यवामनौ
(8) कौण्डभट्टः
(9) नागेशभट्टः
(10) आचार्यश्रीरघुनाथशर्मा
(11) आचार्यसभापतिशर्मोपाध्यायः
(12) युधिष्ठिरमीमांसकः
(13) आचार्यश्रीरामप्रसादत्रिपाठी
(14) प्रो. एस.डी. जोशी
(15) जार्ज कोर्डोना इत्यादिः

नोट :– प्रथम सत्र के साथ 25X2=50 अंकों का शोध प्रविधि तथा 25X2=50 अंकों का संगणक परिचय पाठ्यक्रम रहेगा। द्वितीय सत्र में स्वशास्त्रीयाध्ययन पाठ्यक्रम के अतिरिक्त 100 अंकों का लघुशोधप्रबन्ध लेखनीय होगा।

उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

विशिष्टाचार्य (एम.फिल.) साहित्य–पाठ्यक्रमः

सत्र 2017–18 तः प्रभावी

विशिष्टाचार्य (एम.फिल.) साहित्य एकवर्षीय पाठ्यक्रम के चार प्रश्न पत्र सौ-सौ अंकों के होंगे। प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न पत्र की परीक्षा प्रथम सेमेस्टर में तथा तृतीय एवं चतुर्थ प्रश्न पत्र की परीक्षा द्वितीय सेमेस्टर में सम्पन्न होगी। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय प्रश्न पत्र कुल 14 इकाइयों में विभाजित हैं। चतुर्थ प्रश्न पत्र में 60 अंकों का सम्बद्धविषयक लघु शोधप्रबन्ध लेखनीय होगा जो न्यूनतम् 80 पृष्ठों का होगा, एवं 40 अंकों की वाक्परीक्षा होगी।

प्रथमसत्रम्-

प्रथमप्रश्नपत्रम्

पाण्डुलिपिविज्ञानम् एवं संगणकविज्ञानम्

अंकाः 50+50=100

क्रेडिट्स 3+3=06

यूनिट-1	1-भारतवर्षे लेखनकलायाः उद्भवः विकासश्च। 2-पाण्डुलिपिविज्ञानस्य स्वरूपं तस्याङ्गानि च- (क) पाण्डुग्रन्थाः– पाण्डुलिपिग्रन्थानां वैविध्यम्। (ख) तालपत्रम्, तालपत्रस्य लेखनोपयोगित्वम्, प्रसिद्धमातृकाग्रन्थालयेषु विद्यमानाः विशिष्टतालपत्रग्रन्थाः। (ग) भूर्जपत्रम्, प्राचीनता, विशिष्टभूर्जपत्रमातृकाः, प्रसिद्धसंस्कृतकाव्येषु भूर्जपत्रस्योल्लेखः। (घ) कागजपत्राणि–कागजपत्रस्य प्राचीनत्वम्, लोहपत्राणि, काष्ठफलकम्, शिलाफलकम् इत्यादीनि। (ङ) मातृकानां स्वरूपम् आकृतिश्च (Font & Size)	क्रेडिट्स-1 अंकाः-15
यूनिट-2	1-**पाण्डुलिपिसंग्रहणस्येतिहासः, ग्रन्थसूचीनिर्माणम्, पाण्डुग्रन्थालयाः पाण्डुलिपिसंरक्षणञ्च-** (क) मातृकासंग्रहणस्येतिहासः तत्र विदुषां संस्थानानाञ्च योगदानम्। (ख) प्रसिद्धमातृकाग्रन्थालयानां परिचयः। (ग) सूचीनिर्माणस्येतिहासः तत्र नानाविदुषां योगदानम्। (घ) पत्रात्मकसूची (Card Catalogue) (ङ) विवरणात्मकग्रन्थसूची (Descriptine Catalogue) (च) ग्रन्थसूचीनां सूची (Catalogues Catalogorum) (CC) (छ) नवीनग्रन्थसूचीनां सूची (New Catalogues Catalogorum) N.C.C. (ज) विविधमातृकागाराणां ग्रन्थसूचयः। (झ) राष्ट्रियपाण्डुलिपिमिशन-उद्देश्यं कार्यपद्धतिश्च। (ञ) मातृकासम्बद्धाः पत्रिकाः।	क्रेडिट्स-1 अंकाः-15

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

विशिष्टाचार्य (एम.फिल्.) ज्योतिष पाठ्यक्रम

प्रथमसत्रम्

ग्रंथनाम्–प्रश्नमार्ग

(क)	प्रथम–द्वितीयाध्यायौ	क्रेडिट	–	1	–	25 अंकाः
(ख)	तृतीय–चतुर्थध्यायौ	क्रेडिट	–	1	–	25 अंकाः
(ग)	सप्तमाष्टमाध्यायौ	क्रेडिट	–	1	–	25 अंकाः
(घ)	नवम–दशमाध्यायौ	क्रेडिट	–	1	–	25 अंकाः

द्वितीयसत्रम्

(क)	एकादश–द्वादशाध्यायौ	क्रेडिट	–	1	–	25 अंकाः
(ख)	त्रयोदश–चतुर्दशाध्यायौ	क्रेडिट	–	1	–	25 अंकाः
(ग)	स्वशास्त्रीयेतिहासः	क्रेडिट	–	1	–	25 अंकाः

(i) ज्योतिषशास्त्रस्योदभवोविकाशश्च
(ii) वैदिककाले ज्योतिषशास्त्रस्य स्वरूपम्
(iii) वेदागत्वेन ज्योतिषम्
(iv) ज्योतिषशास्त्रस्य स्कन्धत्रयम्

(घ)	विशिष्टज्योतिर्विदां परिचयः	क्रेडिट	–	1	–	25 अंकाः

(1) लगधाचार्यः
(2) आर्यभटः प्रथमः
(3) पृथुयशः
(4) भट्टोत्पलः
(5) लल्लाचार्यः
(6) कल्याणवर्मा
(7) भास्करः प्रथमः
(8) ब्रह्मगुप्तः
(9) श्रीधराचार्यः
(10) बटेश्वरः
(11) मुञ्जालः
(12) आर्यभटः द्वितीयः
(13) गणेश दैवज्ञः
(14) रामदैवज्ञः
(15) मुनीश्वरः
(16) भट्टकमलाकरः
(17) व्यंकटेशकेतकरः
(18) वैद्यनाथः
(19) महामहोपाध्याय सुधाकरद्विवेदी
(20) बापूदेवशास्त्री
(21) शंकरबालकृष्णदीक्षितः

नोट :– द्वितीय सत्र में एक पत्र के रूप में 100 अंकों का स्वशास्त्र सम्बद्ध लघुशोध प्रबन्ध उपस्थापित करना होगा।

विशिष्टाचार्य कक्षा के ज्योतिषशास्त्र विषयक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त सभी विषयों में 25X2=50 अंकों का शोध प्रविधि तथा 25X2=50 अंकों का संगणक परिचय पाठ्यक्रम रहेगा।

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालय

बहादराबाद, हरिद्वार

योगाचार्य (योगविज्ञान द्विवर्षीय स्नातकोत्तरउपाधि)

(Master Degree in Yogic Science)

विशिष्टाचार्य पाठ्यक्रम

प्रथमसेमेस्टर (1st semester)

S. N.	Code	Title	Internal	Theory	Total
1		शोध प्रविधि एवं संगणक Research & Computer	20	80	100
2		योग विज्ञान में अनुसंधान क्षेत्र Research Scope in Yogic Field	20	80	100

द्वितीय सेमेस्टर (2nd Semester)

S. N.	Code	Title	Internal	Theory	Total
1		योग और मानव उत्कर्ष Yoga and Human Excellence	20	80	100
2		लघु–शोध Dissertation	-	-	100

उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

हिंदी एवं भाषा विज्ञान पाठ्यक्रम (एम.फिल्.)

एम.फिल्. (हिंदी) पाठ्यक्रम (सत्र 2017–18 तथा पश्चात्)

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र–	शोध प्रविधि	पूर्णांक : 100
द्वितीय प्रश्नपत्र–	प्रयोजनमूलक हिंदी	पूर्णांक : 100
	अथवा	
	आधुनिक हिंदी काव्य	

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र–	हिंदी साहित्य : वैचारिक पृष्ठभूमि	पूर्णांक : 100
	अथवा	
	आधुनिक कथा साहित्य	
द्वितीय प्रश्नपत्र–	लघु शोध प्रबंध एवं मौखिकी	पूर्णांक : 100

प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के उपर्युक्त प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रमों का विवरण संलग्न है।

नोट :– प्रथम सेमेस्टर के दोनों प्रश्नपत्र तथा द्वितीय सेमेस्टर का प्रथम प्रश्नपत्र 80 अंको का होगा। इन्हीं प्रश्नपत्रों का 20 अंकों का आंतरिक मूल्यांकन होगा। (इस आंतरिक मूल्यांकन में 10 अंक कक्षा परीक्षा (क्लास टेस्ट), 05 अंक समसामयिक एवं चर्चित पुस्तकों की अनिवार्य पुस्तक समीक्षा एवं 05 अंक उपस्थिति के होंगे।) द्वितीय सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र, जिनमें लघुशोध प्रबंध तथा मौखिकी परीक्षा भी सम्मिलित है, 100 अंकों की होगी। जिसमें 60 अंक लघु शोध प्रबंध मूल्यांकन तथा 40 अंक लघु शोध प्रबंध विषयक मौखिकी हेतु निर्धारित है।